Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 August 2024

Dainik Jagran
Page - 09

दैनिक जागरण के तत्वावधान में आयोजित कवि सम्मेलन आपसी एकता को बढ़ावा देने वाला है। इससे युवा पीढ़ी को साहित्य और हमारी परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलता है। इस सफल आयोजन के लिए दैनिक जागरण परिवार को बधाई।
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

युवा कवियों ने दिखाई साहित्यिक प्रतिभा

गोवि में उपाधि पर तिथि अंकित करने का निर्णय हुआ पुष्ट

- पहले विद्या परिषद, फिर कार्य परिषद ने गोवि के प्रस्ताव पर लगाई मुहर

गोवि में एमएस व बीसीए पाठ्यक्रम को मिली कुलाधिपति की मंजूरी

Amar Ujala
Page - 08, 09

कल आएंगी राज्यपाल, एमएमएमयूटी और डीडीयू के दीक्षांत में होंगी शामिल

29 को दोपहर 12 बजे से एमएमएमयूटी में शुरू होगा दीक्षांत समारोह

समाज को बड़ा संदेश देने के लिए कविता से बेहतर कोई माध्यम नहीं

1999 और उससे पहले की डिग्री पर अब लगेगा चार गुना शुल्क

कविता पाठ में दिखाई रचनात्मकता

राजनीति विज्ञान में भाषण प्रतियोगिता

Hindustan
Page - 06

29 को पूर्वाह्न 11 बजे से एमएमएमयूटी में शुरू होगा समारोह, 30 को डीडीयू के दीक्षांत में शिरकत करने के बाद लौटेंगी राज्यपाल

दीक्षांत समारोह के लिए कल आएंगी कुलाधिपति

सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध

मिलेनियम वर्ष से पहले की डिग्री को 4 गुना फीस

एमएस एआई, बीसीए के नए कोर्स को मंजूरी

- डीडीयू में स्ववित्तपोषित योजना के तहत शुरू हो रहे हैं पाठ्यक्रम
- प्रस्तावित पाठ्यक्रमों को कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान की

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के तहत इसी सत्र से शुरू हो रहे एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पाठ्यक्रम को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। नाइलिट गोरखपुर के साथ संयुक्त रूप से संचालित होने वाले एमएस (एआई) में 33, बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए (आईओटी) दोनों में 66-66 सीटें हैं। बीसीए कोर्सेज के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है, जबकि एमएस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक/बीसीए/एमसीए है।

डीडीयू के विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यक्रमों पर कुलाधिपति ने अनुमति प्रदान की है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि ये कोर्स पूर्वांचल के छात्रों के लिए लाभप्रद हैं। बीफार्म और डीफार्म कोर्स के संचालन के लिए भी पिछले दिनों ही कुलाधिपति ने मंजूरी दी थी। इन सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त है।

एमए प्राइवेट प्रथम वर्ष के परिणाम जारी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मंगलवार को सत्र 2023-24 प्राइवेट के एमए समाजशास्त्र, एमए प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति, एमए अर्थशास्त्र, एमए राजनीति शास्त्र, एमए हिंदी, एमए संस्कृत, एमए दर्शनशास्त्र एवं एमए उर्दू प्रथम वर्ष का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि यह परीक्षाफल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डिग्री पर दर्ज होगी अंग्रेजी कैलेंडर व शक संवत तिथि

बदलाव

- प्रस्ताव को विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में मिली मंजूरी

Amar Ujala Select
Page - 05

अब डिग्री पर अंग्रेजी कैलेंडर व शक संवत के अनुसार तिथि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बीसीए के कोर्स को कुलाधिपति की मंजूरी

भाषण स्पर्धा का हुआ आयोजन

कविता पाठ में दिखाई रचनात्मकता

गोरखपुर। डीडीयू के रसायन विज्ञान विभाग में दीक्षांत सप्ताह के तहत मंगलवार को निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेजेंटेशन और कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आकाश गुप्ता, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः अल्का यादव व काजल सोनकर विजेता रहे। निर्णायक मंडल में विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. सुधा यादव, प्रो. एनके शुक्ला, प्रो. अखिलेश कुमार श्रीवास्तव और प्रो. सोम शंकर रहे। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण व प्रोत्साहित किया गया।

Rashtriya Sahara
Page - 07

समाज को बड़ा संदेश देने का सशक्त माध्यम है कविता : कुलपति

- डीडीयू में काव्य गोष्ठी संपन्न
- नवोदित कवियों ने अपनी रचनाओं से किया आनंदित

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में 43वें दीक्षांत सप्ताह के अवसर पर मंगलवार को आयोजित काव्य गोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि कविताएं भावनाओं की अभिव्यक्ति हैं और समाज को बड़ा संदेश देने के लिए कविता से बेहतर माध्यम कोई नहीं है। इस काव्य गोष्ठी में अन्य कवियों के साथ विश्वविद्यालय के होनहार छात्रों ने भी अपनी कविता सुनाकर उपस्थित लोगों को आनन्दित किया।

मुख्य कवियों में वसीम अजहर ने मेरा हिंदुस्तान नज्म से सभागार में सभी को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। आकृति विज्ञा अर्पण ने अपनी नई कविता 'सुनो वसंती हील उतारो' से महिलाओं को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। डॉ. चारू शीला सिंह ने श्रृंगाररस की कविता सुनायी। प्रख्यात शायर सरवत जमाल ने अपनी उर्दू शायरी, नुसरत अतीक ने पारिवारिक कविता, चेतना पांडेय ने 'इस युग ने कहा औरत को देवी' का काव्य पाठ किया। सुभाष यादव ने अपनी विश्व प्रसिद्ध कविता 'केहू केतनो दुलारी लेकिन माई ना होइ' से भाव-विभोर कर दिया। जय प्रकाश नायक ने 'एक जैसे रहे' सुनाया। गोष्ठी की अंतिम कविता 'मेरी कविताओं पर ताली न बजाओ' देवेंद्र आर्य के द्वारा सुनाई गई।

इसके पूर्व कविता पाठ की शुरुआत गोष्ठी की सबसे नन्ही कवि कनिष्का की देशभक्ति की कविता से हुई। कवयित्री चारू सिंह ने गोष्ठी की शुरुआत सरस्वती गीत 'शारदे मां मुझे ऐसा वर दे' से की। युवा कवियों की श्रृंखला में मोनिका ने संस्कृत में काव्य पाठ, महमूद रजा ने नात विधा की प्रस्तुति की। साथ ही डीडीयू के छात्रों ने भी अपनी स्वरचित कविताएं सुनायी। स्वागत काव्य गोष्ठी के संयोजक प्रो. राजेश मल्ल तथा आभार ज्ञापन उर्दू विभाग के प्रो. साजिद हुसैन ने किया। इस अवसर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो.नंदिता सिंह, प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. विमलेश कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

ग, गोरखपुर
दिनांक : 20.08.2024

डीडीयू की उपाधियों पर उसे निर्गत करने की तिथि होगी अंकित

- इस प्रस्ताव पर विद्यापरिषद ने ऑनलाइन बैठक में जतायी सहमति

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली उपाधियों पर उसे निर्गत करने की तिथि अंकित किये जाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को ऑनलाइन आयोजित बैठक में विद्या परिषद ने अपनी सहमति जतायी है।

विद्या परिषद की ऑनलाइन बैठक कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में संपन्न हुई थी। विद्या परिषद ने व्यापक छात्रहित में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उपाधियों पर उसे निर्गत करने की तिथि अंकित किए जाने के प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति प्रदान की है। बैठक को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने कहा की यह निर्णय व्यापक छात्र हित में लिया गया है। विद्या परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि यह तिथि अंग्रेजी कैलेंडर (ग्रेगोरियन कैलेंडर), के साथ साथ भारतीय शक संवत के रूप में भी अंकित किया जाएगा। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत की जाने वाली उपाधियों में उपाधि प्रदान करने की तिथि अंकित न होने से विद्यार्थियों को अन्य केंद्रों में प्रवेश लेते समय आवेदन में असुविधा का सामना करना पड़ता है।

एमएस एवं बीसीए पाठ्यक्रमों को कुलाधिपति ने दी मंजूरी

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने के लिए प्रस्तावित एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए(इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पाठ्यक्रम को कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। नाईलेट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी) के साथ संयुक्त रूप से संचालित होने वाले एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में 33 तथा बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) दोनों में 66/66 सीटें हैं। बीसीए कोर्सेज के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है जबकि एमएस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक/बीसीए/एमसीए है।

Rashtra Ki Parampara

हिन्दी दैनिक, राष्ट्र की परम्परा, कुशीनगर,

दीक्षांत सप्ताह के उपलक्ष्य में रसायन विज्ञान विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। 43वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के तत्वाधान मे विभाग के परास्नातक (केमिस्ट्री व इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री) विद्यार्थियों की निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेजेंटेशन और कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग के शोध भवन स्थित सेमिनार हाल में दीप प्रज्जवलन कर माँ सरस्वती की आराधना के तत्पश्चात कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। जिसमें निबंध लेखन प्रतियोगिता में परास्नातक के तालिब खान ने प्रथम, वैभवी सिंह द्वितीय व हर्षिता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समानांतर सेशन में संचालित पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न वैज्ञानिक शीर्षकों पर पोस्टर बनाये व अपने-अपने पोस्टर का विशेष उत्साह से प्रस्तुत किया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आकाश गुप्ता, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः अल्का यादव व काजल सोनकर विजेता रहे। वहीं कविता पाठ में प्रथम स्थान पर रोहन चौहान, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः ज़ैद अंसारी व वैभवी मिश्रा विजेता रहीं। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष), प्रो. सुधा यादव, प्रो. आफशां सिद्दीकी, प्रो. एनके शुक्ला, प्रो. अखिलेश कुमार श्रीवास्तवा और प्रो. सोम शंकर रहे।

कार्यक्रम के अंत मे विजेता छात्र प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण व प्रोत्साहन के पश्चात विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी के समस्त छात्रों, शिक्षकगणों व कर्मचारियों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

Swatantra Chetna
Page - 05

43वें दीक्षांत समारोह में सीता अशोक का पौध लगाएंगी कुलाधिपति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 43वां दीक्षांत समारोह का शुभारंभ कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम से होगा। विश्वविद्यालय 30 अगस्त को आयोजित 43वें दीक्षांत समारोह की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी क्रम में लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुरूप कुलाधिपति वाटिका में वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ शुरू होगा।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति भारतीय पौराणिक कथाओं और पारंपरिक चिकित्सा में महत्व वाली एक लुप्तप्राय प्रजाति सीता अशोक वृक्ष (सारका असोका) का रोपण करके समारोह का शुभारंभ करेंगी।

उपाधियों पर निर्गत करने की तिथि होगी अंकित विद्या परिषद की मुहर

सांस्कृतिक संध्या में छात्र कलाकारों ने सबको किया मंत्रमुग्ध

Inext Page - 05

एमएस व बीसीए पाठ्यक्रम को मिली गवर्नर की मंजूरी

अलकनंदा हॉस्टल ने मनाया जन्माष्टमी

GORAKHPUR (27 August): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अलकनंदा महिला हास्टल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार की देर रात धूमधाम के साथ मनाई गई. हास्टल की छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकी तैयार की. राधा और कृष्ण बन छात्राओं ने भक्ति गीतों और भजनों पर मोहक नृत्य की प्रस्तुति की. छात्राओं की हौसला अफजाई के लिए कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन भी मौजूद रहीं. आधी रात को बाल कृष्ण पूजा और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

गो0वि0 के ललित कला विभाग में आयोजित हुए रंगारंग कार्यक्रम

Nirbhik India

विश्वविद्यालय में अब चलेंगा स्ववित्तपोषित एमएस का कोर्स

गोरखपुर, संवाददाता- गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए(इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पाठ्यक्रम को माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है।

नाईलेट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) के साथ संयुक रूप से संचालित होने वाले एम एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में 33 तथा बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) दोनों में 66/ 66 सीटें हैं। बीसीए कोर्सेज के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है जबकि एमएस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक/बीसीए/एमसीए है।

विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित MS in AI एवं Bachelor of Computer Application (BCA) Programs in Specialised Area पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52 (5) के अन्तर्गत मा0 कुलाधिपति महोदया द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई है।

प्रो. पूनम टंडन ने इस पहल के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "हम पूर्वांचल के युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभप्रद इन कोर्सेज को उच्चतम गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

Super Fast Times

सांस्कृतिक संध्या में छात्र कलाकारों ने सबको किया मंत्रमुग्ध

छात्र-छात्राओं में संगीत की अद्भुत प्रतिभा, इस कार्यक्रम को दीक्षांत समारोह का वास्तविक आगाज : कुलपति

समाज को बड़ा संदेश देने के लिए कविता से बेहतर कोई माध्यम नहीं : कुलपति

बीसीए पाठ्यक्रमों को कुलाधिपति से मिली मंजूरी

"हम पूर्वांचल के युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभप्रद इन कोर्सेज को उच्चतम गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"
प्रो०पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस),बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए(इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पाठ्यक्रम को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिल गई है। नाईलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) के साथ संयुक्त रूप से संचालित होने वाले एम०एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में 33 और बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) दोनों में 66/ 66 सीटें हैं। बीसीए कोर्सेज के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है जबकि एम०एस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक,बीसीए,एमसीए है। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की संस्तुति के आधार पर विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित Ms in AI एवं Bachelor of Computer Application (BCA) Programs in Specialised Area पाठ्यक्रम के अध्यादेश पर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-52 (5) के अंतर्गत कुलाधिपति द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई है।